

नियम तय • यूजीसी ने दो डिग्री के लिए मापदंड को मंजूरी दी इसी सत्र से होंगे भारतीय और विदेशी संस्थानों के संयुक्त डिग्री कोर्स

एक संस्थान में कम से कम
30% पढ़ाई करनी होगी

भास्कर न्यूज़ | नई दिल्ली

आने वाले दिनों में बीए, बीएससी, एमए, एमएससी या पीएचडी की ऐसी डिग्री हासिल की जा सकती है, जिसका कुछ हिस्सा ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी तो कुछ हिस्सा दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ा गया हो। देश और विदेश के उच्च शिक्षा संस्थानों में एक ही कोर्स के अलग-अलग हिस्सों की पढ़ाई करके छात्र तीन तरह की डिग्रियां एक समय में हासिल कर सकेंगे। इन्हें ट्विनिंग, ज्वाइंट या डुअल डिग्री कहा जाएगा। यूजीसी ने मंगलवार को हुई बैठक में भारतीय और विदेशी विश्वविद्यालय या उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच अकादमिक करार के नियम मंजूर कर दिए हैं। इसी सत्र से जो योग्य भारतीय विश्वविद्यालय या संस्थान किसी

क्या हैं तीनों डिग्रियां और किस तरह हासिल कर सकेंगे

ट्विनिंग डिग्री प्रोग्राम: भारतीय छात्र विदेशी विवि या उच्च शिक्षा संस्थान में जाकर एक या दो सेमेस्टर तक पढ़ाई कर सकता है और उसकी 30% तक क्रेडिट ट्रांसफर हो सकेगा। बाकी 70% पढ़ाई व क्रेडिट भारतीय संस्थान में हासिल करना होगा। उसे भारतीय विवि डिग्री देगा। साथ ही विदेशी संस्थान से सर्टिफिकेट मिलेगा।

ज्वाइंट डिग्री प्रोग्राम: इसमें छात्र को 30% से ज्यादा क्रेडिट ट्रांसफर की सुविधा मिलेगी। डिग्री भारतीय विवि ही देगा और फॉरेन यूनिवर्सिटी केवल सर्टिफिकेट देगा, जिसमें लिखा होगा कि 30% से ज्यादा पढ़ाई या क्रेडिट वहां हासिल की गई।

डुअल डिग्री प्रोग्राम: इसमें फॉरेन यूनिवर्सिटी से 30% से ज्यादा क्रेडिट ट्रांसफर हो सकेगा, लेकिन डिग्रियां दोनों यूनिवर्सिटी देंगी। दोनों ही डिग्रियों में यह उल्लेख होगा कि कितने प्रतिशत क्रेडिट किस यूनिवर्सिटी के हैं।

विदेशी विश्वविद्यालय के साथ करार कर लेंगे, वहां इन डिग्रियों को हासिल करने की व्यवस्था लागू हो जाएगी। कोई भी उच्च शिक्षा संस्थान जो नैक रैंकिंग में 3.01 अंक पाता हो, एनआईआरएफ रैंकिंग के टॉप-100 में

शामिल हो या क्यूएस या टाइम्स रैंकिंग में टॉप-1000 की सूची में आता हो, ऐसे संस्थानों को विदेशी संस्थानों के साथ ट्विनिंग, ज्वाइंट या डुअल डिग्री के लिए करार करने में सक्षम होंगे। यह करार फिजिकल मोड के लिए होगा।